१०. रात का चौकीदार

पूरक पठन

- सुरेश कुशवाहा 'तन्मय'

दिसंबर-जनवरी की हाड़ कँपाती ठंड हो, झमाझम बरसती वर्षा या उमस भरी गरमी की रातें । हर मौसम में रात बारह बजे के बाद चौकीदार नाम का यह निरीह प्राणी सड़क पर लाठी ठोकते, सीटी बजाते; हमें सचेत करते हुए कॉलोनी में रात भर चक्कर लगाते रोज सुनाई पड़ता है ।

हर महीने की तरह पहली तारीख को हल्के से गेट बजाकर खड़ा हो जाता है, 'साब जी, पैसे ?'

''कितने पैसे ?'' वह उससे पूछता है ।

'साब जी, एक रुपया रोज के हिसाब से महीने के तीस रुपए । आपको तो मालूम ही है ।'

'अच्छा एक बात बताओ बहादुर, महीने में तुम्हें कितने घरों से पैसे मिल जाते हैं ?'

'साब जी यह पक्का नहीं है, कभी साठ घर से कभी पचास से । तीज-त्योहार पर बाकी घरों से भी कभी कुछ मिल जाता है । इतने में ठीक-ठाक गुजारा हो जाता है हमारा ।'

'पर कॉलोनी में तो सौ-सवा सौ से भी अधिक घर हैं, फिर इतने कम क्यों ... ?

तो फिर तुम उनके घर के सामने सीटी बजाकर चौकसी रखते हो कि नहीं ?' उसने पूछा ।

'हाँ साब जी, चौकसी रखना तो मेरी जिम्मेदारी है । मैं केवल पैसे के लिए ही काम नहीं करता । फिर उनकी चौकसी रखना तो और जरूरी हो जाता है । भगवान नहीं करे, यदि उनके घर चोरी-वोरी की घटना हो जाए तो पुलिस तो फिर भी हमसे पूछेगी न । और वे भी हम पर झूठा आरोप लगा सकते हैं कि पैसे नहीं देते इसलिए चौकीदार ने ही चोरी करवा दी । ऐसा पहले मेरे साथ हो चुका है साब जी ।'

'अच्छा ये बताओ, रात में अकेले घूमते तुम्हें डर नहीं लगता ?'

'डर क्यों नहीं लगता साब जी, दुनिया में जितने जिंदा जीव हैं, सबको किसी न किसी से डर लगता है । बड़े आदमी को डर लगता है तो फिर हम तो बहुत छोटे आदमी हैं । कई बार नशे-पत्तेवाले और गुंडे-बदमाशों से मारपीट भी हो जाती है । शरीफ दिखने वाले लोगों से झिड़कियाँ, दुत्कार और धौंस मिलना तो रोज की बात है ।'

'अच्छा बहादुर, सोते कब हो तुम ?' वह फिर प्रश्न करता है ।

परिचय

जन्म : १ जनवरी १९५५, खरगौन (म.प्र.)
परिचय : तन्मय जी कवि, लेखक के रूप में प्रसिद्ध हैं । उनकी रचनाएँ विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में छपती रहती हैं ।
प्रमुख कृतियाँ : अक्षरदीप जलाएँ (बालकविता संग्रह) छोटू का दर्द (कहानी) शेष कुशल है (काव्य संग्रह) आदि ।

गद्य संबंधी

लघुकथा : लघुकथा किसी बहुत बड़े परिदृश्य में से एक विशेष क्षण/प्रसंग को प्रस्तुत करने का चातुर्य है ।

प्रस्तुत पाठ में लेखक ने 'चौकीदार' के माध्यम से जहाँ इस पेशे से जुड़े लोगों की ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा को दिखाया है वहीं कुछ लोगों की मुफ्तखोरी को दर्शाते हुए जन-जागृति करने का प्रयास किया है ।

'साब जी, रोज सुबह आठ-नौ बजे एक बार कॉलोनी में चक्कर लगाकर तसल्ली कर लेता हूँ कि सबकुछ ठीक है न, फिर कल की नींद पूरी करने और आज रात में फिर जागने के लिए आराम से अपनी नींद पूरी करता हूँ । अच्छा साब जी, अब आप पैसे दे दें तो मैं अगले घर जाऊँ ।'

'अरे भाई, अभी तुमने ही कहा कि जो पैसे नहीं देते उनका ध्यान तुम्हें ज्यादा रखना पड़ता है । तो अब से मेरे घर की चौकसी भी तुम्हें बिना पैसों के करनी होगी, समझे ?'

'जैसी आपकी इच्छा साब जी', और चौकीदार अगले घर की ओर बढ़ गया ।

मैं सोचता हूँ कि बिना किसी ऊपरी दबाव अथवा नियंत्रण के एकाकी रूप से इतनी जिम्मेदारी से अपना कर्तव्य निभाने वाला, हमारी सुरक्षा की चिंता करने वाला निष्कपट भाव से काम करने वाला, यह रात का रखवाला स्वयं कितना असुरक्षित और अकेला है ।

मैं रात भर ऊहापोह में रहा। ठीक से नींद भी नहीं आई । सबेरे उठने तक मैं निर्णय ले चुका था। मैंने चौकीदार को बुलाया। उससे कहा, मेरे घर की चौकसी करने का तुम्हें पूरा मेहनताना मिलेगा। चौकीदार ने सलाम किया और चला गया। मैंने चैन की साँस ली और उसके प्रति श्रद्धा बढ़ गई।

—०—

शब्द संसार

उमस (पुं.सं.) = उष्णता
धौंस (स्त्री.सं.) = धमकी, रोब
ऊहापोह (पुं.सं.) = उधेड़बुन

मुहावरे

तसल्ली करना = समाधान करना
चैन की साँस लेना = आश्वस्त होना

श्रवणीय

हिंदी तथा मराठी भाषा में लिखी हुई किसी एक लघुकथा का आकलन करते हुए सुनिए और सुनाइए ।

पठनीय

'परिपाठ' में सप्ताह भर के समाचारपत्रों के मुख्य मुद्दों का चयन करके वाचन कीजिए ।

संभाषणीय

'ट्रैफिक पुलिस' से बातचीत करके उनकी दिनचर्या संबंधी जानकारी लीजिए ।

लेखनीय

अपने परिसर के चौकीदार द्वारा अच्छा कार्य करने हेतु अभिनंदन करने वाला पत्र लिखिए ।

आसपास

किसी परिचित सुरक्षा रक्षक से वार्तालाप कीजिए ।

मौलिक सृजन

'पुलिस समाज की रक्षक' इस बारे में अपना मत लिखिए ।

पाठ के आँगन में

(१) कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

(क) संजाल :

चौकीदार से मारपीट करने वाले

(ख) लिखिए :

१. चौकीदार द्‌वारा पैसे न देने वाले घरों की भी रखवाली करने का कारण–

२. चौकीदार की असुरक्षा का कारण–

(२) नीचे दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए। इसी प्रकार के अन्य पाँच शब्द बनाकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(च) रातों में सड़क पर लाठी ठोंकते, सीटी बजाकर पहरा देने वाला–

(छ) अपनी जिम्मेदारियाँ तथा कर्तव्य निभाने वाला–

(३) घटना के अनुसार वाक्यों का उचित क्रम लगाकर लिखिए :

(त) ऐसा पहले मेरे साथ हो चुका है साब जी।

(थ) जैसी आप की इच्छा साब जी।

(द) रात में अकेले घूमते तुम्हें डर नहीं लगता।

(४) 'लूट-डकैती करने वालों ने चौकीदार से मारपीट की' यह समाचार पढ़कर मन में आए विचार लिखिए।

8HGXZK

भाषा बिंदु

(१) निम्न वाक्यों में से सर्वनाम एवं क्रियाएँ छाँटकर भेदों सहित लिखिए तथा पाठ्‌यपुस्तक से खोजकर नए अन्य वाक्य बनाइए :–

सर्वनाम

चाहे कुछ भी हो जाए, मैं निज व्रत नहीं छोड़ता। मैं सदैव-अपना कर्म करता हूँ और अन्यों से करवाता भी हूँ।

क्रिया

(२) निम्न में से संज्ञा तथा विशेषण पहचानकर भेदों सहित लिखिए तथा अन्य पाठ्‌यपुस्तक से खोजकर नए वाक्य बनाइए :–

संज्ञा

मोहन ने फलों की टोकरी में कुछ रसीले आम, थोड़े से बेर तथा कुछ अंगूर के गुच्छे साफ पानी से धोकर रखवा दिए।

विशेषण

रचना बोध

....

....

....